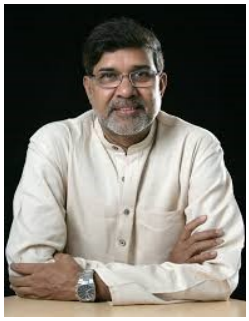

श्री कैलाश सत्यार्थी
नोबेल पुरस्कार से सम्मानित
(बचपन बचाओ आंदोलन के सूत्रधार)

सेवा ही संकल्प

(सुश्री रेनू पी0 छिब्बर, आई0आर0पी0एफ0एस0)
महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त
रे0सु0ब0/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

उद्देश्य

रेलवे एवं Association for Voluntary Action (AVA)/बचपन बचाओ आंदोलन (बी0बी0ए0) का दृष्टिकोण सिर्फ बाल–अनुकूल समाज का निर्माण करना है जहाँ सभी बच्चे शोषण से मुक्त हों और उन्हें मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। इसका उद्देश्य दासता का जीवन जी रहें बच्चों/महिलाओ की पहचान करना, उन्हें मुक्त करवाना, उनका पुनर्वास करवाना और शिक्षित करवाना है।

अगर कोई 18 वर्ष से कम आयु के किसी बालक या बालिका को बहला–फुसलाकर उसकी इच्छा के विरूद्ध शोषण के इरादे से अगवा करता है, तो यह गतिविधि बच्चों के अवैध व्यापार (ट्रैफिकिंग/दुर्व्यापार) के अंतर्गत आती है। ट्रैफिकिंग/दुर्व्यापार यानी बच्चों/महिलाओ को बहला–फुसलाकर, डरा–धमकाकर या लालच देकर उनका शोषण करना, उनको कारखानों/खनन आदि में बंधुआ मजदूरी, वेश्यावृत्ति, कृषि कार्य, अंग व्यापार, जबरन शादी और भीख मंगवाने जैसे कार्यो में धकेल देना है। सबसे कमजोर बच्चे/महिलाएः–खासकर शरणार्थी/प्रवासी, गरीब, बेरोजगार, अशिक्षित तथा भुखमरी झेल रहे बच्चे/महिलाए अक्सर इसका शिकार बनते हैं जो शिक्षा और बेहतर जीवन के झूठे वादों से बहलाए–फुसलाए जाते हैं। वास्तविकता यह है कि तस्करी का शिकार और शोषित इन बच्चों/महिलाओ को पर्याप्त भोजन, आश्रय और कपड़ों के बिना गुलामी जैसी परिस्थितियों में रखा जाता है जिससे वे उस चीज से वंचित हो जाते हैं जिसकी प्रत्येक महिला/बच्चा हकदार है।

महिलाओं एवं बच्चों की तस्करी एक जघन्य अपराध है–*जिसको रोकने के लिए श्री कैलाश सत्यार्थी के मिशन (बचपन बचाओ आन्दोलन) के साथ जुडकर रेलवे सुरक्षा बल तत्परता से कार्य कर रही है।*

रेलवे सुरक्षा बल न केवल रेल सम्पत्ति, यात्री/यात्री एरिया की सुरक्षा के लिए बल्कि रेलवे को बच्चो/महिलाओ की तस्करी से मुक्त करवाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

महिलाओं एवं बच्चों की तस्करी की रोकथाम के लिए रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा लगभग हर मुख्य स्टेशन पर टीम **"आहट (AAHT)"** का गठन किया गया है। रेलवे सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा चलाये गये ऑपरेशन **"आहट (AAHT)"** के तहत पिछले पॉच वर्षो में लगभग **213 बच्चों/महिलाओं** को मानव तस्करो के चंगुल से छुडवाया गया है और मानव तस्करी में संलिप्त लगभग **66 अपराधियों** को सलाखों के पीछे पहुॅचाया गया है।

गुमशुदा/लावारिस बच्चों लिए रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा ऑपरेशन **"नन्हे फरिश्ते (Nanhe Farishte)"** चलाया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा Association for Voluntary Action (AVA)/बचपन बचाओ आंदोलन (बी0बी0ए0) टीम के साथ मिलकर ऑपरेशन **"नन्हे फरिश्ते (Nanhe Farishte)"** के तहत पिछले पॉच वर्षो में लगभग **4087 बच्चों** को रेस्क्यू कर उन्हे उनके परिवारजनों, सी0डब्ल्यू0सी0, पुलिस/जी0आर0पी0 को सुपुर्द किया गया है।

Prayagraj Jn.

Aligarh Jn.

Mathura Jn.

Dholpur Jn.

Virangna Laxmibai Stn.

Mirzapur Stn.

अगर रेलवे स्टेशन परिसर/रेलगाडी मे कोई लावारिस/गुमशुदा/खोई हुई/दुर्व्यापार (तस्करी) के लिए ले जा रही महिला या कोई बच्चा मिल जाए तो उसकी जानकारी देने और त्वरित सहायता प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है–

1. रेलवे चाइल्ड लाइन नंबर– 1098 / 18001027222

यह नंबर खोए हुए बच्चों के लिए विशेष रूप से बनाया गया है, यह नंबर 24 घंटे उपलब्ध है। आप इस नंबर पर कॉल करके बच्चे की जानकारी दे सकते हैं और मदद प्राप्त कर सकते हैं।

2. महिला हेल्पलाइन नंबर– 181

यह नंबर महिलाओ को अविलंभ मदद मुहिया कराने के लिए विशेष रूप से जारी किया गया है। आप इस नंबर पर कॉल करके किसी जरूरतमंद महिला की जानकारी दे सकते हैं और मदद प्राप्त कर सकते हैं।

3. रेलवे हेल्पलाइन नंबर– 139

यह नंबर रेलवे से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी और मदद के लिए है। आप इस नंबर पर कॉल करके रेलवे स्टेशन परिसर और ट्रेनो में खोए/पाए बच्चे/महिला की जानकारी दे सकते हैं और रेलवे से हर संभव मदद प्राप्त कर सकते हैं।

4. पुलिस कंट्रोल रूम नंबर– 112

आप इस नंबर पर कॉल करके लावारिस महिला/बच्चे की जानकारी दे सकते है और पुलिस की मदद ले सकते हैं।

5. Team of Association for Voluntary Action (Bachpan Bachao Andolan)

श्री देशराज सिंह, प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर

9205585941, 9828231656

deshraj@avaindia.org

श्रीमति चन्दा गुप्ता, अस्सिस्टेंट प्रोजेक्ट ऑफिसर

919319268119

chanda.gupta@avaindia.org

श्री कृष्णा प्रताप शर्मा, अस्सिस्टेंट प्रोजेक्ट ऑफिसर

919319267957

krishnapratap@avaindia.org

श्री मनीष कुमार वर्मा, अस्सिस्टेंट प्रोजेक्ट ऑफिसर

919319267967

manish.verma@avaindia.org